यूनियन बैंक
ऑफ इंडिया

बैंकिंग

सरल, सहज और शीघ्र

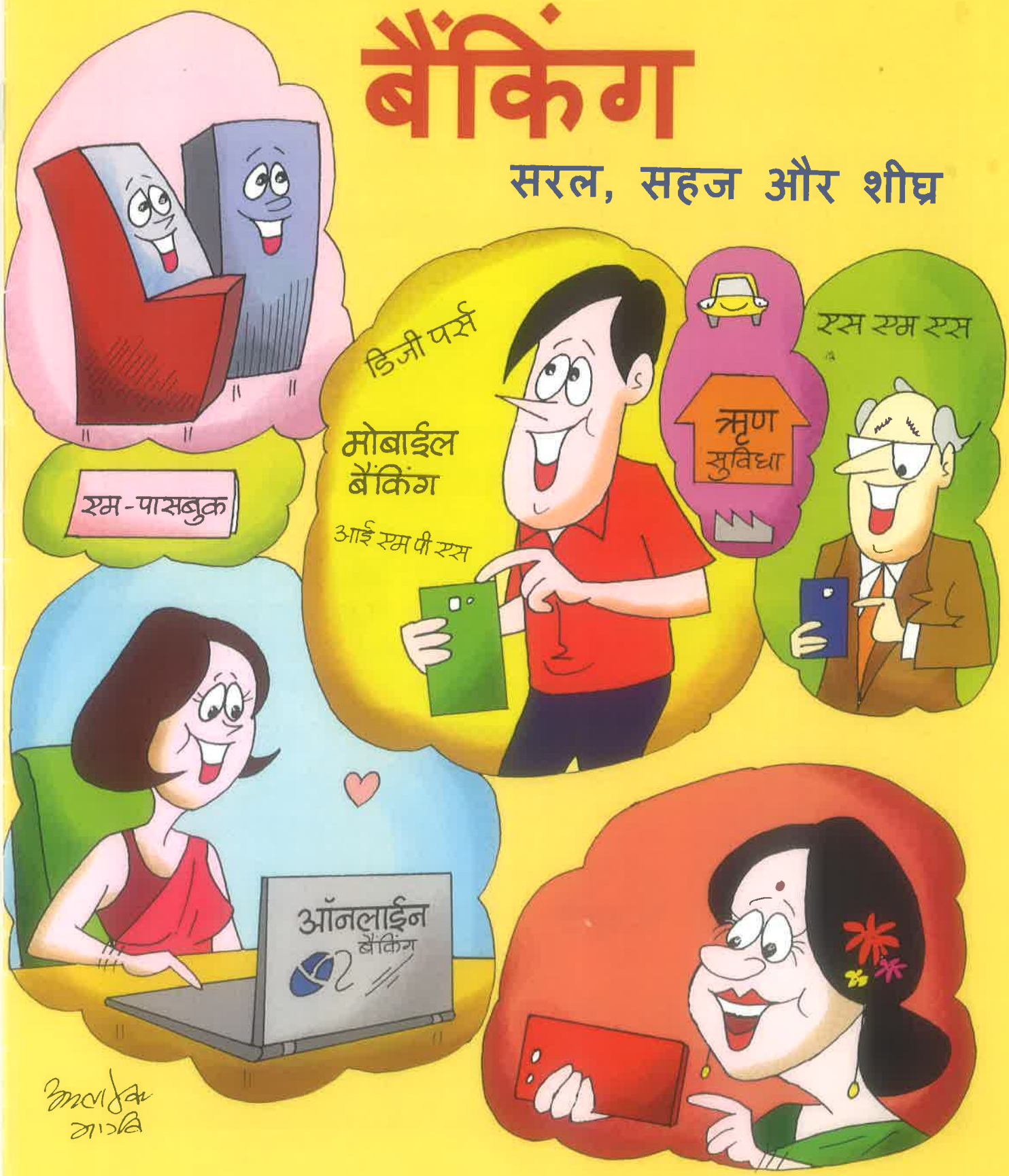

बैंक में पैसा रखने का क्या लाभ? कल आवश्यकता थी पर अपना ही पैसा निकालने के लिए बैंक खुलने की प्रतीक्षा कर रहा हूं.
यूनियन बैंक
काका आपने एटीएम कार्ड नहीं लिया?
कार्ड लेकर क्या करूं? मैं इतना पढ़ा लिखा नहीं हूं. कोई ऊंच-नीच हो जाए तो?
आप मोबाईल फोन प्रयोग करते हैं?
हां.
उस से नंबर मिलाने में कोई परेशानी होती है क्या?
नहीं, इसमें कैसी परेशानी.
बेटा, कार्ड के चक्कर में पाण्डेयजी के पैसे एटीएम में फंस गए. बंदू के लड़के ने तो बुढ़ापे के लिए जोड़े पैसे उस के कार्ड से निकाल लिए.
इसलिए मुझे, कार्ड से डर लगता है.

अरे काका, कभी स्टीरम कार्ड में नहीं, इसे लापरवाही से प्रयोग करने में हैं. बिना पिन के कार्ड काम नहीं करता. कार्डधारक को अपने कार्ड का पासवर्ड या पिन हमेशा गुप्त रखना होता हैं व कार्ड सुरक्षित. इनके बिना आप के पैसे कोई छू भी नहीं सकता.

!!

हां, एक बात और, बैंक कभी भी फोन पर कार्ड की जानकारी नहीं मांगता. ऐसे झूठे फोन कॉल से सावधान रहें. यदि ऐसा कोई फोन आए तो बैंक से संपर्क करें. सुरक्षा के लिए अपना पासवर्ड या पिन बदल सकते हैं.

बैंक से बोल रहा हूं. अपना पासवर्ड बताओ.

बताता हूं पर बैंक जा कर.

समझा! आग के गलत उपयोग से आग लग सकती हैं पर इस कारण हम उस पर खाना पकाना तो नहीं छोड़ सकते.

एकदम ठीक. इतना ही नहीं इस कार्ड से आप मोबाईल रीचार्ज, पैसा भेजना, चेकबुक रिक्वेस्ट आदि सुविधाएं भी प्राप्त कर सकते हैं.

सच! यह तो जादुई कार्ड हैं. मैं आज ही अपना कार्ड लेता हूं.

स्टीरम कार्ड

चाचा इतने उदास क्यों लग रहे हो?
पर हुआ क्या?
क्या बताऊं? बैंक वालों ने बहुत परेशान कर रखा है.
बैंक
तुम तो जानते ही हो, भाई जी गुजर गए. उनके खाते का पैसा उनकी पत्नी को अभी तक नहीं मिला. बैंक वाले महीने भर से चक्कर कटवा रहे हैं. कभी कहते हैं कचहरी से यह कागज ला ओ तो कभी कोई गवाही मंगाते हैं.
!!
बात तो उचित है. यह बताओ खाते में नामांकन था?
नहीं.
हमें क्या पता था इतना लट्ठा कट्ठा गबरू जवान इतनी सी उम्र में चल बसेगा.

बस यही गल्ती कर बैठे. क्या पता कब क्या हो जाए? इसी लिए खाता खोलते समय ही नामांकन भी कर देना चाहिए. पूछो पाण्डेय जी से. इन के भाई का नामांकन था. बैंक से तुरंत पैसा मिल गया था.
रमेश सच कह रहा है. हम से एक आवेदन लिया, दो गवाही और फोटो पहचान-पत्र की कॉपी, बस पांचवें मिनट में हम पैसा ले कर बैंक के बाहर थे.
सच! विश्वास ही नहीं होता, बैंक ऐसे भी काम करता है. ओह! हम ने तो नामांकन कराया ही नहीं. अब हम क्या करें?
आप को बैंक से मिला यह क्लेम फॉर्म भरना पड़ेगा और कानूनी वारिस के दस्तावेज व शपथ-पत्र देने होंगे, पैसा मिल जाएगा.
हाय! इतना झंझट!
भाई अब तो मैं सारे बैंक खातों में नामांकन कराऊंगा और सब को समझाऊंगा कि नामांकन करो, निश्चिंत रहो.

देश में काम के लिए लाइन की कमी नहीं है. आज बैंकों में भी चेक या नकदी जमा करने, निकालने, पासबुक पूरी कराने के लिए लाइनें लगती हैं.

रेल टिकट

सैटेलाइट के जमाने में भी बैंक का वही हाल है. कोई भी जनता की परेशानी नहीं समझता.

अरे मैडम, किस समय की बात कर रहीं हैं, लगता है बैंक गए आप को जमाना बीत गया

जाकर क्या करूं? मुझे लाइन में लगने से बड़ी चिढ़ है.

पर आप एकबार मेरे साथ बैंक तो चलिए.

?

बैंक

वाह! यहां तो जरा भी भीड़ नहीं है. बैंक भी चकाचक लग रहा है! कभी यहां न ढंग का फर्नीचर होता था, न पूरी लाइट.
क्या मैं आपकी सहायता कर सकता हूं
यह एटीएम मशीन है, इस से पैसे निकलते हैं.
यह कौन सी नई चीज है?
यह तो मैं वर्षों से देख रही हूं.
यह चेक जमा कराने की मशीन है.
अच्छा!
और इस में नकदी जमा करते हैं.
इस मशीन में, ऐसा कैसे हो सकता है?

मैडम, अपने खाते के नंबर दबाओ, नाम मिलाओ और इस बक्से के खुलने पर रुपए डालो. देखो, रसीद आप के हाथ में और पैसा सीधा आप के खाते में.

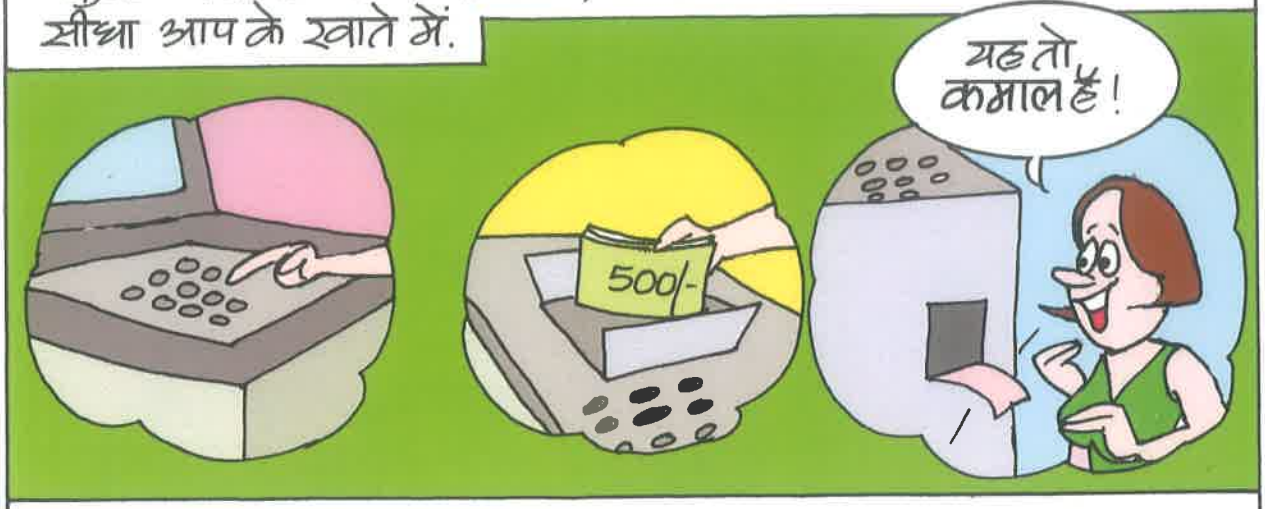

यही नहीं, आप अपनी पास बुक भी स्वयं पूरी कर सकतीहैं. बहुत सारी शाखाओं में तो यह मशीनें चौबीसों घंटे ग्राहकों की सेवा में खुली रहती हैं.

पर अपने खाते का बैलेंस जानने के लिए तो बैंक आना ही पड़ेगा.

बिल्कुल नहीं, आप इस टोल फ्री नंबर पर पंजीकृत मोबाइल से फोन करें, तुरंत शेष राशि बताने के लिए संदेश आ जाएगा.

ठीक है, पर मुझे कैसे पता चलेगा कि मेरा कोई चेक लगा है या पैसा जमा हुआ है. इस के लिए तो बैंक जाना ही पड़ेगा. आखिर इन छोटी-छोटी बातों के लिए बैंक ग्राहकों की परेशानी कब समझेगा?

इस के लिए एसएमएस सेवा है न. जैसे ही आपके खाते में कोई प्रविष्टि होती है, तुरंत आप को संदेश पहुंच जाता है. चाहे पैसा जमा हो या निकला हो.

पर मेरे पास तो कोई सूचना नहीं आती. हो सकता है ये सुविधा कुछ खास लोगों के लिए ही हो.

नहीं यह सब के लिए है. क्या आप ने अपना मोबाइल नंबर बैंक में पंजीकृत कराया है?

नहीं तो.

तो फिर संदेश कहां से आएगा? आज अपना मो. नंबर खाते में लिखवा दो फिर देखो, कैसे खाते की सारी सूचना आप के पास पहुंचती है.

अब तो बैंक खाते में आने वाली गैस सबसिडी, मनरेगा की मजदूरी, पेंशन प्रधानमंत्री सुरक्षा बीमा योजना जैसे सब काम अपने आप होते हैं. बैंक बीमा, फसल बीमा, निवेश आदि में भी सहायता करते हैं.

यही नहीं मैडम, इन नई सुविधाओं के चलते आज का **युवा वर्ग** तो अपने बिल भुगतान, ट्रांसफर और खरीदारी तक कार्ड, मोबाईल और ई-बैंकिंग के द्वारा करता है. वह भी कभी भी और कहीं से भी.

आप का कहना अपनी जगह ठीक है. पर बैंक का काम खाताधारक के धन को सुरक्षित रखना है. इसलिए बैंक उस धरोहर को खाताधारक के लिखित आदेश के बिना नहीं देता.

आप ही बताओ, कोई व्यक्ति आप के पास अपनी कोई कीमती वस्तु रखवाए तो क्या आप उस व्यक्ति के किसी भी नाते रिश्तेदार को वह वस्तु यूं ही सौंप देंगे.

कतई नहीं, मुझे बावला समझा है क्या?

समझ गया, लोग क्यों अपनी गाढ़ी कमाई निःसंकोच बैंक में जमा करा देते हैं.

यही बात बैंक पर भी लागू होती है.

जमा

लॉकर्स

पर मेरी पत्नी बार-बार बैंक नहीं आ सकती.

हर समस्या का समाधान है. वह चाहें तो इस खाते को आप के साथ संयुक्त खाते में बदलवा सकती हैं और एकल या संयुक्त रूप से चलाने का निर्देश दे सकती हैं.

एकल या संयुक्त मतलब?

एकल मतलब आपके या आप की पत्नी में किसी एक के हस्ताक्षर से और संयुक्त अर्थात् दोनों के दस्तखत से आप पैसे निकाल सकते हैं.
आपने अच्छा समझा दिया. अब मैं आराम से चेक काट सकूंगा.
पर ध्यान रहे, चेक बुक सदा सुरक्षित रखें. खाली चेक पर हस्ताक्षर न करें यह खतरनाक हो सकता है. हस्ताक्षर वही करें जो बैंक में नमूने के तौर पर दे रखे हैं. चेक भरते समय बाईं तरफ जरा भी स्थान न छोड़ें.
अगर पता बदल जाए तो?
तुरंत बैंक में सूचना दें. यही नहीं फोन या ई-मेल पता बदलने पर भी ऐसा ही करें.

हमें अंग्रेजी नहीं आती. हम वहां लगे बोर्ड कैसे पढ़ेंगे, फार्म कैसे भरेंगे, बात कैसे करेंगे?
अब बैंक में काम-काज हिन्दी में भी होता है. आप बेझिझक हिन्दी या स्थानीय भाषा में काम कर सकते हैं.
वाह!
हम छोटे दुकानदार. कोई-न-कोई ग्राहक कटा फटा नोट थमा ही जाता है. तब क्या करें?
अरे भाई! बैंक तो आप की सुविधा के लिए ही हैं. आप यहां उन्हें बदलवा सकते हैं.
पर बैंक नकली नोट नहीं बदलता
बैंक
ठीक कहा, सुनार भी पीतल के पैसे कहां देता है.
लेकिन हम नकली नोट कैसे पहचानेंगे?
बैंक से एक बार इस विषय में अच्छे से समझ लें.

इतनी मेहनत से पाईपाई जोड़ी थी कि कुछ ब्याज से आय हो जाएगी. इस पर भी बैंक ने टैक्स काट लिया.

टैक्स काटना बैंक की ज़िम्मेदारी है. सरकारी नियमों के तहत अभी दस हज़ार से अधिक की ब्याज राशि पर टैक्स काटा जाता है. हां यदि आप की आयकर योग्य नहीं है, तो आप फार्म 15 एच/जी भर कर दे सकते हैं.

पर मेरी परेशानी तो वैसी की वैसी है. मेरी अच्छी खासी राशि पड़ी थी फिर भी बैंक ने खाते में लेनदेन बंद कर दिया.

ऐसा इसलिए कि अधिक समय तक बंद पड़े खाते का कोई दुरुपयोग न कर सके. ग्राहक द्वारा केवाईसी देने पर उसका खाता पुनः चालू कर दिया जाता है.
ये केवाईसी क्या होता है?
आप की स्वयं की व निवास की सही जानकारी
?

मेरा तो लाखों का बैलेंस शून्य हो गया. हाय! मैं तो लुट गया.
जब वर्षों से खाता बंद रहता है तो उसका पैसा रिजर्व बैंक द्वारा उठा लिया जाता है.
तुमने तो मेरी जान में जान ला दी.
आप केवाईसी दीजिए, सारा पैसा ब्याज सहित वापिस आ जाएगा.
अरे, मेरी तो पेंशन ही बंद कर दी. बुजुर्गों के कष्ट से किसी को भी मतलब नहीं है.
लगता है आप हर वर्ष नवंबर में जमा कर ने वाला जीवित रहने का प्रमाण पत्र देना भूल गए हैं.
ठीक कहते हो बेटा, इस उम्र में यह सब याद ही कहां रहता है.

आलोक भार्गव द्वारा रेखांकित व यूनियन बैंक ऑफ इंडिया , केंद्रीय कार्यालय, 239 विधान भवन मार्ग, नरीमन पॉइंट, मुंबई - 400021 के राजभाषा कार्यान्वयन प्रभाग के समन्वय से प्रकाशित